प्रीलिम्स फैक्ट्स: 05 मार्च, 2020

drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-05-march-2020

प्रज्ञान कॉन्क्लेव 2020

Pragyan Conclave 2020

भारतीय सेना की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'प्रज्ञान कॉन्क्लेव 2020' (Pragyan Conclave 2020) का आयोजन नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में किया गया।

मुख्य बिंदु:

इस कॉन्क्लेव का आयोजन सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज़ (Centre for Land Warfare Studies) द्वारा किया जा रहा है।

सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज़

(Centre for Land Warfare Studies- CLAWS)

- नई दिल्ली स्थित सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज़ (CLAWS) भारतीय संदर्भ में रणनीतिक अध्ययन एवं ज़मीनी युद्ध पर एक स्वायत्त थिंक टैंक है।
- CLAWS सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत है और यह सदस्यता आधारित संगठन है।
- इसका संचालन बोर्ड ऑफ गवर्नर और एक कार्यकारी परिषद द्वारा किया जाता है।

- इस कॉन्क्लेव में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ ज़मीनी युद्ध के बदलते तरीकों और सेना पर इसके प्रभाव के बारे में विचार-विमर्श करेंगे।
- इस कॉन्क्लेव में बदलती सुरक्षा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सशस्त्र बलों में व्यापक परिवर्तन की आवश्यकता पर बल दिया गया। भारतीय सेना के लिये चीफ-ऑफ-डिफेंस स्टाफ (Chief of Defence Staff) की नियुक्ति तथा सैन्य मामलों के विभाग (Department of Military Affairs) की स्थापना इस दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम हैं।
- इसमें **'प्रौद्योगिकी क्रांति- एक मौलिक चुनौती'** (The Technological Revolution– A Seminal Challenge) विषय के तहत बहुपक्षीय इन्फॉरमेशन वारफेयर, साइबर एवं स्पेस वारफेयर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा रोबोटिक्स के प्रभाव पर चर्चा की गई।

गौरा देवी

Gaura Devi

केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री (Union HRD Minister) ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के एक हिस्से के रूप में चिपको आंदोलन की प्रमुख कार्यकर्त्ता गौरा देवी की याद में एक पौधा लगाया।

मुख्य बिंदु:

- केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय (Ministry of Human Resource Development) 1-8 मार्च, 2020 तक महिला सप्ताह मना रहा है।
- इसी क्रम में केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के हिस्से के रूप में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

गौरा देवी:

- खेजड़ली (जोधपुर) राजस्थान में वर्ष 1730 के आस-पास अमृता देवी विश्नोई के नेतृत्व में लोगों ने राजा के आदेश के विपरीत पेड़ों से चिपककर उनको बचाने के लिये आंदोलन चलाया था।
- इसी आंदोलन ने आज़ादी के बाद 1970 के दशक में हुए चिपको आंदोलन को प्रेरित किया, जिसमें चमोली, उत्तराखंड में गौरा देवी सहित कई महिलाओं ने पेड़ों से चिपककर उन्हें कटने से बचाया था।

गैरसैण

Gairsain

उत्तराखंड सरकार ने गैरसैण (Gairsain) को राज्य की नई ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित किया।

मुख्य बिंदु:

- 9 नवंबर, 2000 को उत्तराखंड भारत का 27वाँ राज्य बना जिसे उत्तर प्रदेश से अलग करके बनाया गया था।
- वर्ष 2000 से 2006 तक इसे उत्तरांचल के नाम से जाना जाता था। किंतु जनवरी 2007 में स्थानीय लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य का आधिकारिक नाम बदलकर उत्तराखंड कर दिया गया।
- इसकी सीमाएँ उत्तर में तिब्बत, पूर्व में नेपाल, पश्चिम में हिमाचल प्रदेश और दक्षिण में उत्तर प्रदेश से मिलती हैं।
- देहरादून उत्तराखंड की अंतरिम राजधानी होने के साथ-साथ इस राज्य का सबसे बड़ा नगर है।

ब्लैक रेडस्टार्ट

Black Redstart

ब्लैक रेडस्टार्ट (Black Redstart) एक छोटे आकार का पक्षी है जो औद्योगिक एवं शहरी क्षेत्रों में रहने के लिये अनुकूल है।

मुख्य बिंदु:

- इसका वैज्ञानिक नाम फॅानिकुरुस ऑक्रूरोस (Phoenicurus Ochruros) है।
- नर ब्लैक रेडस्टार्ट का ऊपरी भाग काला होता है जो सर्दियों में कुछ ग्रे रंग का दिखाई देता है। इसके सिर का ऊपरी हिस्सा एवं पीठ का निचला हिस्सा ग्रे रंग का होता है। जबकि मादा ब्लैक रेडस्टार्ट का ऊपरी हिस्सा हल्का भूरा-धूसर होता है और इसकी पूँछ नर ब्लैक रेडस्टार्ट के समान ही होती है।
- यह पक्षी मुख्य रूप से अकशेरुकी कीटों एवं जामुन जैसे छोटे फलों को भोजन के रूप में ग्रहण करता है।

- यह हिमालय क्षेत्र में 2400-5200 मीटर की ऊँचाई पर प्रजनन करता है और सर्दियों में भारतीय उपमहाद्वीप के मैदानी एवं पठारी भागों में निवास करता है।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (International Union for Conservation of Nature- IUCN) की रेड लिस्ट में बहुत कम संकट (Least Concern) श्रेणी में रखा गया है।